April-September, 2014 Vol. 8 (1) अप्रैल-सितम्बर, 2014 अंक 8 (1)

FROM DIRECTOR'S DESK.......

The major activities of DRWA during this period started with a Unit Meeting of scientists of AICRP on Home Science held from 5th-7th August, 2014 at the Directorate to review the research achievements of last year. AICRP scientists from all the five components of Home Science participated in it and chalked out technical programme for 2014-15, the focus being holistic development of farm families with better co-ordination among these components. The Research Advisory Committee (RAC) of the Directorate has been reconstituted with Dr Vinita Sharma, Former Advisor, Department of Science & Technology, Government of India as its Chairperson. In its 15th meeting held on 5th & 6th September, 2014, the RAC emphasized the need to identify women friendly technologies from within ICAR, SAUs and other institutes and test these for further refinement for adoption by the farm women.

This has been a taxing period for farm families with drought like situation in certain parts of the country and floods in others. The most vulnerable victims to these natural calamities are the farmer families. To address this, the scientists of DRWA have been working in four districts of Odisha i.e.Mayurbhanj, Jajpur, Angul and Sambalpur, in co-ordination with district authorities to mitigate the situation. Similarly, scientists from AICRP on Home Science have been disseminating the contingency plans in their respective areas to deal with such calamities. The Tribal Sub Plan (TSP) of the Directorate in the two Phailin affected districts of Mayurbhanj and Gajapati is progressing very well. Assessment of nutritional status of tribal families is underway and suitable interventions are being given to improve it. Since the gender component is a major factor determining adaptation during exigencies, one of the major thrust areas of this Directorate in the coming years will be capacitating farm women for climate resilient agriculture and empowering farm families to cope better with extreme weather conditions.

I extend a very warm welcome to Dr Shivaji Dadabhau Argade, Agriculture Extention ARS Scientist who joined this Directorate. With the approval of the proceedings of 12th Plan EFC, the Directorate is going to spread its work sphere through new centres of AICRP on Home Science and a number of collaborative projects. I exhort all my colleagues to proactively contribute to the growth of this institution and the service of the farm women.

Neelam Grewal

निदेशक की कलम से...

निदेशालय के मुख्य गतिविधियों का प्रारंभ, गृहविज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना इकाई की बैठक के आयोजन के साथ हुआ, जिसका आयोजन 5-7 अगस्त, 2014 में निदेशालय में पिछले वर्ष की अनुसंधान उपलब्धियों की समीक्षा करने के लिए किया गया। गृहविज्ञान के सभी पाँच घटकों के अ.भा.स.अनु.प वैज्ञानिकों ने इसमें भाग लिया तथा 2014-15 के लिए तकनीकि कार्यक्रम तैयार किया। बैठक का केन्द्र बिन्दु था - गृहविज्ञान के सभी घटकों में परस्पर समन्वयन द्वारा खेतीहर परिवारों का समग्र विकास। निदेशालय की अनुसंधान सलाहकार समिति का पुर्नगठन डा.विनीता शर्मा, पूर्व सलाहकार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, को इसके अध्यक्ष के रूप में मनोनीत कर किया गया। समिति की 15वीं बैठक 5-6 सितंबर 2014 में आयोजित की गई जिसमें समिति ने भा.कृ.अनु.प, प्रादेशिक कृषि विश्वविद्यालयों एवं अन्य संस्थानों में महिलाओं के अनुकूल प्रौद्योगिकियों की पहचान करने तथा उनको परिष्कृत कर कृषिरत महिलाओं को उपलब्ध कराने पर बल दिया।

यह समय विशेष कृषक परिवारों के लिए बाढ़ तथा सूखे की मार के कारण काफी विषम रहा। पीडित कृषक परिवारों को इस स्थिति में मदद पहुँचाने के उद्देश्य से निदेशालय के वैज्ञानिकों की टीम जिले के अधिकारियों के समन्वय में उडीसा के चार बाढ़ पीडित जिलों - मयूरभंज, जाजपुर, अनगुल एवं संबलपुर में स्थिति को कम करने के लिए प्रयासरत हैं। इसी प्रकार, गृहविज्ञान पर अ.भा.स.अनु.प के वैज्ञानिक भी अपने-अपने क्षेत्र में ऐसी आपदाओं से निपटने के लिए आकस्मिक योजनाओं का प्रसार कर रहे हैं। निदेशालय की जनजातीय उपयोजना (TSP) को प्रदेश के फैलिन प्रभावित दो जनजातीय जिलों - मयूरभंज एवं गजपति में सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। जनजातीय कृषक परिवारों के पोषण स्थिति का आँकलन किया जा रहा है और इसे सुधारने हेतु उपयुक्त कार्यक्रम किए जा रहे हैं। चूँकि जैन्डर आपदाओं के दौरान अनुकूलन का निर्णयक कारक है, अतः आने वाले वर्षों में निदेशालय का जोर जलवायु अनुरूप कृषि पर महिलाओं के सशक्तिकरण पर रहेगा।

मैं, इस निदेशालय में डा. अरगडे शिवाजी दादाभाउ, वैज्ञानिक, कृषि विस्तार का हार्दिक स्वागत करती हूँ। 12वीं योजना व्यय वित्त समिति की कार्यवाही के अनुमोदन के साथ यह निदेशालय अ.भा.स. अनु.प के नए केन्द्रों तथा नई सहयोगी परियोजनाओं के माध्यम से अपने कार्यक्षेत्र का विस्तार कर रहा है। मैं अपने सभी साथियों से परस्पर इस संस्था के विकास तथा कृषिरत महिलाओं की सेवा में कार्य करने की आशा करती हूँ।

नीलम ग्रेवाल

RESEARCH HIGHLIGHTS
अनुसंधान उपलब्धियाँ

Ergonomic Evaluation of Selected Manually Operated Farm Equipment in Mango and Cashew nut Orchards

It was observed that the farm women performed 70 per cent of activities in the mango and cashew nut orchards. Selected activities such as filling soil mixture in poly bags, clipping of shoots and harvesting of fruits were ergonomically assessed during the working hours. The energy expenditure was highest in clipping of shoots (9.8kj/min) followed by filling of soil mixture in poly bags(7.85kj/min), weeding (6.0kj/min) in traditional method. Interventions such as introduction of trowel for filling soil mixtures in poly bags, doubled the number of filled poly bags when compared to manual method. Similarly, the use of small secateurs to remove shoots from mango and cashew nut plants, led to an increase in the work productivity of women from 360-400 shoots/hr to 550-600 shoots/hr.

Low Cost Protected Cultivation of Tomato

आम और काजू में चयनित मैन्युअल कृषि उपकरणों का इरगोनॉमिक मूल्यांकन

कृषक महिलाओं की भागीदारी आम और काजू के बगीचों में 70 प्रतिशत पायी गई। कुछ चयनित गतिविधियाँ जैसे पोलीथीन बैग में मिट्टी भरना, शूट की कटाई तथा फलों की तुड़ाई का काम करने के घंटे के दौरान, इरगोनॉमिक मूल्यांकन किया गया। सबसे अधिक उर्जा व्यय शूटों की कटाई (9.8kj/min) में पाया गया तथा घटते हुए क्रम में यह पॉलीबैग में मिट्टी भरने (7.85kj/min), तथा पांरपरिक विधि से निराई करने (6.0kj/min) में पाया गया। मिट्टी भरने के लिए करनी (ट्रॉवेल) के उपयोग से महिलाओं की कार्यक्षमता दुगनी पायी गयी तथा छोटे सिकेचियर के उपयोग से आम एवं काजू की शूट काटने की क्षमता 360-400 से बढ़कर 550-600 शूट प्रतिघण्टा हो गयी।

टमाटर की कम लागत की संरक्षित खेती

Technology for the protected cultivation of off- season tomato has been standardized at the Directorate. Seedlings of tomato var. Avinash were raised in pots in the second week of September and were kept protected from adverse weather conditions in a low cost protected situation. The optimum height of tomato plant was 7.5cm to 10.0 cm with 4- 5 leaves attained within 25 days. The seedlings were planted at the space of 60x 60 cm. After 45 days of planting, the crops started flowering. An average yield of 24 kg/per sq.mt with an average fruit weight of 200 g was recorded. Fruits were harvested from the month of November to April. Income of Rs 250-300 /m^2 annually could be earned from the protected cultivation of off- season tomato. With this technology, the crop duration of tomato is extended from 1 month to 2 months.

Fish Waste Silage as Feed for Layer Quail Birds

By-products from the fishing industry have a great potential to be used as protein supplements in aquaculture and livestock feed. Fish silage is one such product, produced from the whole fish or parts of it, to which acids, enzymes or lactic-acid-producing bacteria are added, with the liquefaction of the mass provoked by the action of enzymes from the fish. Fish silage can be used to replace fish meal in aquaculture and poultry feeds The effect of supplementation of acid added fish waste silage on the production performance of layer Japanese quail (*Coturnix japonicas japonica*) was studied. The crude protein in fish meal in the control diet was replaced with that of fish silage at 25% (T1), 50% (T2) and 100% (T3) level. The highest egg production (Fig) and the lowest Feed Conversion Ratio (0.74) was recorded with treatment T1.

निदेशालय में टमाटर की बेमौसम संरक्षित खेती के लिए प्रौद्योगिकी मानकीकरण किया गया। अविनाश किस्म के टमाटर की नर्सरी सितम्बर महीने के दूसरे सप्ताह में पोट्रे में उगायी गई तथा इसे प्रतिकूल मौसम की स्थिति से सुरक्षित रखा गया। टमाटर के पौधे की अधिकतम ऊँचाई 25 दिनों के भीतर 4-5 पत्तियों के साथ 7.5-10 सेमी थी। पौधे 60X60 सेमी के अन्तराल पर लगाए गए। रोपण के 45 दिनों के भीतर पौधों में फूल आना शुरू हो गया। औसत उपज 24 किलो प्रति sq.mt. तथा फल का औसत वजन 200 ग्राम पाया गया। फल नवम्बर से अप्रैल माह तक तोड़े गये। प्रतिवर्ष बेमौसम टमाटर की संरक्षित खेती से 250-300 रूपये प्रति मीटर की दर से आय प्राप्त की जा सकती है। इस प्रौद्योगिकी के द्वारा टमाटर की फसल अवधि 1 से 2 महीने तक बढ़ाई जा सकती है।

मछली अपशिष्ट साइलेज से अण्डा देने वाली क्वेल का खाद्य

मछली उद्योग के अपशिष्ट की एक्वाकल्चर और पशुधन फीड में प्रोटीन की खुराक के रूप में काफी संभावनाएं हैं। मछली साइलेज इसी तरह का एक उत्पाद है जो पूरी मछली या इसके भागों को एसिड, एनजाइम तथा लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया डालकर तथा इसे एन्जाइम की कार्यवाही से द्रवीकरण कर उत्पादित किया जाता है। मछली साइलेज एक्वाकल्चर तथा पोल्ट्री फीड में मछली फीड की जगह इस्तेमाल किया जा सकता है। एसिड डालकर बनाए गए मछली अपशिष्ट साइलेज का अध्ययन, अण्डा देने वालो जापानी क्वेल पर किया गया। नियंत्रित आहार में मछली फीड की जगह मछली साइलेज को 25 प्रतिशत (T_1), 50 प्रतिशत (T_2) तथा 100 प्रतिशत (T_3) में बदल दिया गया। उच्चतम अण्डा उत्पादन और सबसे कम आहार रूपांतरण 10.74 उपचार T_1 में पाया गया।

Fig.1 Effect of supplementation of acid added fish waste silage on the production performance of layer Japanese quail birds

C-Control, T1-25% replacement, T2-50% replacement, T3-100% replacement

The study on the effect of acid added fish waste silage on the proximate composition of quail meat showed that the fat content in the quail meat increased with increase in % inclusion of fish silage in the diet, although there was no significant difference ($p>0.05$).

एसिड वाले मछली साइलेज के प्रभाव का अध्ययन क्वेल के मीट के प्रोक्सिमेट कम्पोजीशन के द्वारा किया गया और यह पाया गया कि क्वेल मीट में वसा का प्रतिशत बढ़ गया, लेकिन महत्वपूर्ण अतंर वृद्धि नहीं पायी गयी ($P>0.05$)।

Fig.2 Effect of supplementation of acid added fish waste silage proximate composition of layer Japanese quail meat

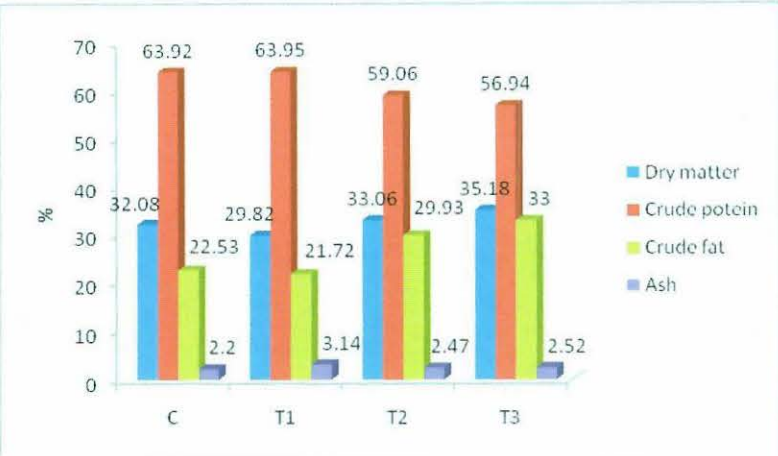

Control, T1-25% replacement, T2-50% replacement, T3-100% replacement

TRIBAL SUB PLAN (TSP)

जनजातीय उप-योजना

Nutrition Week Observed in a Tribal Village of Odisha

The National Nutrition Week is celebrated every year from 1st to 7th September, 2014 to create awareness among the people about their health, nutrition and well-being. On the occasion, a Free Medical Camp was organized in a tribal village Tarajodi, in Shamakhunta block of Mayurbhanj district on 5th September 2014. About 230 beneficiaries consisting of children, women and men from tribal farm families took part in the programme and received medical assistance. The

ओडिशा के एक आदिवासी गॉव में पोषण सप्ताह का आयोजन

स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए प्रतिवर्ष 1-7 सितम्बर तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है। इसी संदर्भ में मयूरभंज जिले के शामाकुन्ता ब्लॉक के ताराजोडी गॉव में 5 सितम्बर, 2014 को एक नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। आदिवासी परिवारों के लगभग 230 महिलाओं, बच्चों और पुरूषों ने

beneficiaries were treated for diseases like viral fever, bacillary diarrhoea, lower back pain, hypertension, acute respiratory tract infection in children, scabies, tinea infection, boil and foot ulcer, gingivitis, and other minor ailments. Tests for malaria and the antenatal check-ups (ANC) were done for pregnant women. Important tips on nutrition, health and well-being were also given to the tribals.

Skill Upgradation on Homestead Gardening and Introduction of Hybrid Napier Fodder Grass under Tribal Sub-plan

An awareness-cum-skill upgradation programme on homestead gardening was conducted at the tribal village K.M. Bhalia Shahi in R. Udayagiri block of Gajapati district during 27th-28th August, 2014.

The following interventions were also made as a part of the project objectives :

- Mini kits of seeds such as Bhendi, Raddish, Cowpea, Ridge gourd and Green leafy vegetables were distributed to 66 tribal families for homestead gardening
- Hybrid Napier grass was introduced for adoption among 15 farm families
- Vines of sweet potato were also distributed to 15 farm families

MAJOR EVENTS

Unit Meet of All India Coordinated Research Project on Home Science

A unit meeting of all the scientists working in the five components of All India Coordinated Research Project on

इस कार्यक्रम में चिकित्सा सहायता प्राप्त की। इस शिविर में वायरल बुखार, दस्त, पीठ के निचले हिस्से में दर्द, उच्च रक्तचाप, श्वसन तंत्र में संक्रमण, बच्चों में खुजली, फोड़ा, अल्सर व अन्य छोटी-मोटी बीमारियों का इलाज किया गया। गर्भवती महिलाओं की मलेरिया एवं एएनसी जाँच की गई। इस अवसर पर जनजातियों को पोषण और स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए।

जनजातीय उप-योजना के तहत रियासत बागवानी और हाइब्रिड नेपियर चारा घास की शुरूआत पर कौशल उन्नयन

गजपति जिले के आर उदयगिरी ब्लॉक के आदिवासी गॉव बालिया साही में 27-28 अगस्त, 2014 को रियासत बागवानी (Homestead Gardening) पर एक जागरूकता एवं कौशल उन्नयन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परियोजना के उद्देश्यों के तहत निम्नलिखित उपाय भी किए गए

- रियासत बागवानी के लिए भिन्डी, मूली, लोबिया, तरोई, हरी-पत्तेदार सब्जियों के बीज 66 आदिवासी परिवारों को विततिर किए गए।
- 15 परिवारों में हाइब्रिड नेपियर घास की शुरूआत की गयी।
- 15 परिवारों को शकरकन्द की लताएं वितरित की गयी।

मुख्य आयोजन

गृह विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की यूनिट बैठक

गृह विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की तीन दिवसीय यूनिट बैठक, भा.कृ.अनु.प -

Home Science had been organized from 5th 7th August, 2014 at the Directorate to review the research achievements accomplished during the year 2013-14 and prepare the action plan for the ongoing projects during 2014-15. Dr. Vinita Sharma, Ex-advisor, Department of Science & Technology, Govt. of India, graced the occasion as a Guest Speaker during the Inaugural Session and made a presentation on 'Gender and sustainable livelihoods through appropriate science & technology interventions'. Dr Sharma appreciated the work done by the scientists of AICRP on Home Science and suggested strategies to improve their role in creating sustainable livelihood for different section of the rural population. Some of the issues flagged off during XI Plan Programmes which need to be taken care of by the scientists during the current plan were highlighted. According to Dr. Sharma, gender issues need to be addressed through different interventions and need based capacity building programmes among the target groups. Scientists should aim to develop, up-grade, modulate and replicate gender neutral technologies to address the drudgery related issues of farmwomen. Programmes could be carried out in collaborative mode and linkages may be made with different organizations to address the present needs of the population. Rural/Women Technology Parks may be established in different regions of the country to create awareness among the people about post harvest technologies, energy conservation models, use of bio-pesticides, water sanitation and income generation activities. She also gave different examples of successful enterprises which worked for rural women.

कृषिरत महिला अनुसंधान निदेशालय, भुवनेश्वर में 5-7 अगस्त, 2014 को आयोजित की गई और इसके अधिनस्थ पांच विषयों में कार्यरत 10 केन्द्रों के सभी वैज्ञानिकों ने भाग लिया। बैठक के दौरान वर्ष 2013-14 की अनुसंधान उपलब्धियों की समीक्षा एवं 2014-15 के दौरान चल रही परियोजनाओं की कार्य योजना तैयार की गई। अतिथि वक्ता डॉ विनीता शर्मा, पूर्व सलाहकार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार ने उचित विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से जेन्डर और टिकाउ आजीविका पर एक प्रस्तुति पेश की। उन्होंने गृहविज्ञान पर अ.भा.स.अनु.प के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए कार्यो की सराहना की और ग्रामीण जनसंख्या के विभिन्न अनुभाग के लिए स्थायी आजीविका बनाने में उनकी भूमिका को बेहतर बनाने के लिए सुझाव दिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कृषि महिलाओं के कठिन परिश्रम से सबंधित मुददों का समाधान करने के लिए, जेन्डर तटस्थ प्रौद्योगिकियों का विकास, उन्हें उन्नत एवं व्यवस्थित करना, वैज्ञानिकों का लक्ष्य होना चाहिए। आबादी की वर्तमान जरूरतों को पूरा करने के लिए समन्वित कार्यक्रमों को अन्य संस्थाओं के साथ सहयोगी व लिंकेज मोड में किया जा सकता है। उन्होंने फसलोत्तर प्रौद्योगिकियों, उर्जा संरक्षण मॉडल, जैव कीटनाशकों का व्यवहार, पानी स्वच्छता और आय सृजन गतिविधियों के उपयोग के बारे में, ग्रामीण महिलाओं में जागरूकता पैदा करने के लिए देश के विभिन्न क्षेत्र में तकनीकि पार्क स्थापित करने का सुझाव दिया।

In the opening remarks, Dr. Neelam Grewal, Director, ICAR-DRWA and the Project Coordinator emphasized the need to reach the remote areas and address family and gender related issues in agriculture. Need to adopt a cluster of five villages in a block to carry out work under AICRP in order to make a visible impact was also stressed.

Research Advisory Committee Meeting

The 15th Research Advisory Committee meeting of the Directorate was held on 5th & 6th September, 2014 under the Chairpersonship of Dr. Vinita Sharma. Other members of the committee were Dr. R. Rengalaxmi, Principal Coordinator, Gender and Grass Root Institutions, M. S. Swaminathan Research Foundation, Chennai, Dr. Pitam Chandra, Former Director, Central Institute of Agricultural Engineering, Bhopal and Dr. A. K. Singh, ADG (Agriculture Extension). At the outset Dr. Neelam Grewal, Director, ICAR-DRWA welcomed the Chairperson Dr. Vinita Sharma, Members of the RAC and Scientific staff of DRWA, followed by a brief presentation on the research achievements and other developments of the Directorate. The RAC suggested that ICAR-DRWA should focus on identifying women friendly technologies from within ICAR Institutes and other institutions of the Government which could be refined for the adoption by the farm women. In due course of time DRWA should become a repository of women friendly technologies. The action taken report on the proceedings of the 14th RAC meeting was presented by the Dr S.K. Srivastava, Member-Secretary RAC.

Institute Research Council (IRC) Meeting

The 14th Institute Research Council (IRC) Meeting of the ICAR-Directorate of Research on Women in Agriculture, Bhubaneswar was held on 24th September, 2014 to review action taken on the proceedings of 13th IRC Meeting; the progress of research projects for the period from April 2013 to March 2014, and discuss the future

अपने उद्घाटन भाषण में डा. नीलम ग्रेवाल, निदेशक, भा. कृ.अनु.प - कृ.म.अनु.नि. एवं परियोजना समन्वयक ने, जेन्डर संबंधी मुददों की जरूरतों के लिए दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुँचने पर बल दिया। उन्होंने गृहविज्ञान पर अ. भा.स.अनु.प के काम को पूरा करने व प्रत्यक्ष रूप में प्रभावित करने के लिए एक ब्लॉक में पांच गांवों को समूहबद्ध गोद लेने पर जोर दिया।

अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) की बैठक

15वीं अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक, डा. विनिता शर्मा की अध्यक्षता में 5-6 सितम्बर, 2014 को निदेशालय में आयोजित की गई। बैठक के अन्य सदस्य डा. आर. रेंगालक्ष्मी, प्रधान संयोजक, जेन्डर एवं ग्रास रूट संस्थान, एम एस स्वामीनाथन फांउडेशन, चेन्नई, डा. ए.के.सिंह, एडीजी (कृषि विस्तार), डा. पीतम चन्द्रा, पूर्व निदेशक, सी. आई.ए.ई, भोपाल थे। सर्वप्रथम डा. नीलम ग्रेवाल, निदेशक, भा.कृ.अनु.प-कृ.म.अनु.नि ने अध्यक्ष डा. विनिता शर्मा, आर.ए.सी के अन्य सदस्यों तथा वैज्ञानिक सदस्यों का स्वागत किया। निदेशक, कृ.म.अनु.नि. ने निदेशालय की अनुसंधान उपलब्धियों एवं अन्य घटनाओं पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति प्रस्तुत की। आरएसी ने सुझाव दिया कि भा.कृ.अनु. प-कृ.म.अनु.नि को भा.कृ.अनु.प के अन्य संस्थानों और सरकार की अन्य संस्थाओं के भीतर से महिलाओं के अनुकूल प्रौद्योगिकियों की पहचान कर उन्हें परिष्कृत कर महिलाओं के उपयोग लायक बनाने पर अपना ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। समय के साथ कृ.म.अनु.नि महिलाओं के अनुकूल प्रौद्योगिकियों का भंडार बन जाएगा। डा. एस.के. श्रीवास्तव, सदस्य-सचिव, आरएसी ने 14वीं आरएसी बैठक की कार्यवाही रिपार्ट प्रस्तुत की।

संस्थान अनुसंधान परिषद (आईआरसी) की बैठक

14वीं संस्थान अनुसंधान परिषद (आईआरसी) की बैठक भा.कृ.अनु.प.-कृ.म.अनु.नि., भुवनेश्वर में 24 सितम्बर, 2014 को आयोजित की गई, जिसमें अप्रैल, 2013 से मार्च, 2014 के बीच चल रही अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा, 13वीं आईआरसी बैठक की कार्यवाही रिपोर्ट तथा

course of action. At the outset Dr S.K. Srivastava, Member-Secretary welcomed the Chairperson and Director Dr Neelam Grewal and the Members of the Institute Research Council. A warm welcome was also extended to the Council's Nominee Dr Vanita Jain, Principal Scientist (Agricultural Education Division) and invited expert Dr B.N.Sadangi, Head, Social Science Division CRRI, Cuttack. Thereafter, the presentation of the research projects including action taken on the suggestions of last IRC, were made. This was followed by discussion on each project. A total of twenty two projects, including two new, fifteen ongoing and five completed projects were discussed.

Contingency Plan to Tackle the Flood Situation in Odisha

As a part of the contingency plan to tackle the flood situation in the affected villages of Odisha, a visit to Angul District, Odisha was made by the Scientists of the Directorate along with the staff of KVK, Angul. The team visited the Keuta sahi, Ghasi Sahi, Nua Sahi, Malati Patna hamlets of Tikarpada and Ramimunda villages of Angul district from 18^{th} to 19^{th} August, 2014 to assess the damages caused by the floods. Loss in crops, livestock and shelter and inaccessibility to drinking water were identified. A meeting with the Agriculture Officer, Deputy Director, Horticulture and District Veterinary Officer of Angul district was organized for planning the execution of Departmental programmes which could benefit the affected farmers. Suggestions like organizing animal health camp for vaccination to control diseases, distribution of chlorine tablets/ bleaching powder for water purification, distribution of seeds for vegetable cultivation after rain were made in the meeting. Dr. Naresh Babu, Miss Gayatri Moharana and Dr. Kushagra Joshi coordinated the visit.

भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। सर्वप्रथम डा. एस.के. श्रीवास्तव, सदस्य-सचिव, आईआरसी ने अध्यक्ष तथा संस्थान की निदेशक डा. नीलम ग्रेवाल तथा आईआरसी सदस्यों का स्वागत किया। परिषद नोमिनी डा. विनिता शर्मा एवं आमंत्रित विशेषज्ञ डा. बी.एन.सांरगी, प्रमुख, सामाजिक विज्ञान विभाग, के.चा.अनु.सं., कटक का भी गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इसके बाद पिछली आईआरसी के सुझाव, की गई कार्यवाई सहित अनुसंधान परियोजनाओं का प्रस्तुतीकरण किया गया। दो नई, 15 चल रही तथा पाँच समाप्त हुयी परियोजनाओं को मिलाकर कुल 22 अनुसंधान परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

ओडिशा में बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए आपात योजना

अनगुल जिले के बाढ़ प्रभावित गाँवों में बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए आपात योजना के तहत निदेशालय के वैज्ञानिकों एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, अनगुल के कर्मचारियों ने गाँवों का दौरा किया। इस टीम ने बाढ़ से हुए नुकसान का आँकलन करने के लिए 18-19 सितम्बर, 2014 को टीकरपड़ा और रामीमुण्डा गावों का दौरा किया। फसलों, जानवरों, आश्रय तथा पीने के पानी की कमी का अनुभव किया गया। अनगुल जिले के कृषि अधिकारी, उपनिदेशक, बागवानी और पशु चिकित्सा अधिकारी के साथ बैठक की गई, जिसमें विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से प्रभावित किसानों को फायदा पहुँचाने के विषय में चर्चा की गई। बैठक के दौरान रोगों के नियंत्रण के लिए पशुओं का टीकाकरण शिविर, जल शोधन के लिए क्लोरीन की गोलियों तथा ब्लीचिंग पाउडर का वितरण, बरसात के बाद सब्जियों की खेती के लिए बीज वितरण आदि सुझाव दिए गये। डा. नरेश बाबू, कु. गायत्री मोहराणा एवं डा. कुशाग्र जोशी ने इस यात्रा का समन्वय किया।

EXTENSION ACTIVITIES/ TRAINING / INTERFACE MEETING CONDUCTED

Capacity Building Programme for Staff of ICAR- DRWA

A specialized off campus capacity building programme on 'Enhancing human relations and performance of people at work' for the staff of ICAR-DRWA was conducted by ICAR-National Academy of Agricultural Research Management (NAARM), Hyderabad at the Directorate from 6th - 9th May, 2014. All the scientific, technical and administrative staff of ICAR-DRWA participated in this training programme.

Scientists-Manufacturers Interface Meeting

A Scientists-Manufacturers Interface was organized at DRWA, Bhubaneswar on 27th August, 2014, under the RKVY project 'Technological intervention for drudgery reduction with increased work efficiency through women friendly farm tools / equipments / technologies in the state of Odisha'. The interface was chaired by Dr Neelam Grewal, Director, ICAR- DRWA. Dr L.P. Gite, Acting Director, ICAR-CIAE, Bhopal and Project Coordinator on AICRP on Ergonomic Safety in Agriculture was the Lead Speaker of the Interface. Scientists from ICAR-DRWA and Professors from OUAT, Bhubaneswar, representatives from State Department of Agriculture and Manufacturers from different parts of Odisha participated in the interface. The interface sensitized the manufacturers towards the need for small farm implements for women. Stakeholders articulated their

प्रसार गतिविधियाँ / प्रशिक्षण / हितधारकों की बैठक का आयोजन

भा.कृ.अनु.प - कृ.म.अनु.नि. के कर्मचारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम

भा.कृ.अनु.प-एन.ए.ए.आर.एम द्वारा ऑफ कैम्पस क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत निदेशालय के सभी कर्मचारियों के लिए 'काम पर लोगों के मानवीय संबंधों एवं प्रदर्शन को बढ़ाने पर' एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन भा.कृ.अनु.प - कृ.म.अनु.नि, भुवनेश्वर में 8-9 मई, 2014 के दौरान ICAR-NAARM द्वारा आयोजित किया गया जिसमें संस्थान के सभी वैज्ञानिक, तकनीकि और प्रशासनिक स्टाफ ने भाग लिया।

वैज्ञानिक-निर्माताओं की इंटरफेस बैठक

एक वैज्ञानिक-निर्माता इण्टरफेस का आयोजन RKVY परियोजना 'Technological intervention for drudgery reduction with increased work efficiency through women friendly farm tools/ equipment/ technologies in Odisha state' के अन्तर्गत भा.कृ.अनु.प - कृ.म.अनु.नि., भुवनेश्वर में 27 अगस्त, 2014 को किया गया। इण्टरफेस की अध्यक्षता डा. नीलम ग्रेवाल, निदेशक, भा.कृ.अनु.प - कृ.म.अनु.नि. ने की। डा. एल.पी.गीते, कार्यवाहक निदेशक, भा.कृ.अनु.प-सी.आई.ए.ई तथा कार्यक्रम समन्वयक, अ.भा.स.अनु.प. कृषि में इरगोनॉमिक सुरक्षा, इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता थे। इस इण्टरफेस में निदेशालय के वैज्ञानिकों, ओ.यू.ए.टी, भवनेश्वर के प्रोफेसरों, राज्य सरकार के प्रतिनिधियों तथा ओडिशा के विभिन्न भागों से आए निर्माताओं ने भाग लिया। इंटरफेस ने निर्माताओं को

concerns and shared their views on commercialization of small farm implements and tools for farmwomen. Some manufacturers also showed interest in large scale manufacturing of these implements to ensure their adequate supply and availability.

ICAR sponsored Short Course

ICAR sponsored Short Course on Participatory research for mainstreaming gender concerns in agriculture was organized from 22nd - 31st May, 2014 at ICAR-Directorate of Research on Women in Agriculture, Bhubaneswar to understand the dynamics of gender empowerment with its multidimensional scope. There were twenty-five numbers of participants which included scientists & Assistant Professors of ICAR institutes and SAUs from different states viz., Bihar, Goa, Odisha, Tamil Nadu and Uttar Pradesh participated. Dr. Anil Kumar Shukla, Dr. Anil Kumar, Dr. Jyoti Nayak & Dr. Naresh Babu were the Course Director and Course Coordinators of this short course.

महिलाओं के लिए छोटे कृषि औजारों की जरूरत के विषय में अवगत कराया। हितधारकों ने महिलाओं के अनुकूल छोटे औजार एवं उपकरणों के व्यावसायीकरण पर अपने विचार व्यक्त किए। कुछ निर्माताओं ने इन उपकरणों के बड़े पैमाने पर निर्माण और उनकी पर्याप्त आपूर्ति में रूचि दिखाई।

भा.कृ.अनु.प द्वारा प्रायोजित लघु कोर्स

भा.कृ.अनु.प - कृ.म.अनु.नि, भुवनेश्वर में 22-31 मई, 2014 तक भा.कृ.अनु.प द्वारा प्रायोजित 'कृषि क्षेत्र में जैन्डर को मुख्यधारा में लाने हेतु भागीदारी अनुसंधान' विषय पर दस दिवसीय लघु कोर्स का आयोजन किया गया। विभिन्न राज्यों जैसे बिहार, गोआ, उड़ीसा, तमिलनाडु तथा उत्तर प्रदेश के वैज्ञानिकों तथा सहायक व्याख्याताओं सहित कुल 25 प्रतिभागियों ने इस कोर्स में हिस्सा लिया। लघु कोर्स का समन्वयन डा. ए.के.शुक्ला, डा. अनिल कुमार, डा. ज्योति नायक तथा डा. नरेश बाबू द्वारा किया गया।

Training Programmes for Farmers/Farm Women

Skill training for Youth Core Groups (YCGs) and farm women on vaccination of poultry chicks was conducted on 6th June and 8th September, 2014 in four experimental villages. Orientation training for YCGs on backyard poultry rearing was conducted at ICAR-DRWA on 5th and 25th July. 2014 while another training for farm women was undertaken on 2nd September, 2014 at the village level. Dr. Sabita Misra and Dr Anil Kumar coordinated the training programme.

किसानों/ कृषक महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

यूथ कोर समूह और कृषक महिलाओं के लिए पोल्ट्री टीकाकरण पर कौशल प्रशिक्षण का आयोजन 6 जून एवं 8 सितम्बर, 2014 को चार प्रयोगात्मक गॉवों में किया गया। पिछवाड़े मुर्गीपालन पर यूथ कोर ग्रुप के लिए 5 जुलाई, 2014 को निदेशालय में तथा कृषक महिलाओं के लिए 25 जुलाई, 2014 को गॉव में अभि वन्यास प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। डा. सबिता मिश्रा तथा डा अनिल कुमार ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय किया।

A three days on campus training was conducted on 'Value added products and byproducts from fish' from 23rd - 25th July, 2014 at ICAR-DRWA to 18 farm women from Kaimaundi Village, Banki Taluk of Cuttack District, Odisha. Preparation of breaded and battered fish products, pickles, fish silage and hygienic curing of fish was demonstrated to the farm women. Mrs. Tanuja. S, Dr Anil Kumar and Dr Abha Singh coordinated the training programme.

एक तीन दिवसीय प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम 'मछली से बने मूल्यवर्धक उत्पाद एवं बाइप्रोडक्ट्स' का आयोजन भा. कृ.अनु.प - कृ.म.अनु.नि. में 23-25 जुलाई, 2014 के बीच कटक जिले की कईमाउन्डी गॉव की 18 कृषक महिलाओं के लिए किया गया। कृषक महिलाओं को ब्रेडेड एवं बैटरर्ड मछली उत्पादों, अचार, मछली साइलेज तथा स्वच्छय सूखी मछली तैयार करने के लिए प्रदर्शन किया गया । श्रीमती तनुजा एस, डा. अनिल कुमार एवं डा. आभा सिंह ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय किया।

PARTICIPATION IN TRAINING/ CONFERENCE/ WORKSHOP/ SEMINAR/ EXHIBITION

S. No	Name of the trainings/ conferences/ symposia/ workshops/ seminars	Venue	Duration and Date	Name of participating scientist
1.	Expert Group Meeting of Vigyan Prasar	ICAR-CIAE, Bhopal organized by DST	23rd April, 2014	Dr. Charles Jeeva
2.	Exhibition on the 68th Foundation Day of CRRI	ICAR-CRRI, Cuttack	23rd April, 2014	Dr. Sabita Mishra & Tanuja.S
3.	Training on Enhancing human relations and performance of people at work	ICAR-DRWA, Bhubaneswar organized by ICAR-NAARM, Hyderabad	6th 9th May, 2014	All staff of ICAR-DRWA
4.	Global Conference on Technological challenges and human resources for climate smart horticulture	NAU, Navsari, Gujarat	28th 31st May, 2014	Dr. Sabita Mishra & Dr. Abha Singh
5.	Workshop on Leveraging Agriculture for Nutrition in South Asia (LANSA)	ICAR-DRWA organized by M S Swaminathan Research Foundation, Chennai	23rd June, 2014	Dr. H. K. Dash, Dr. Abha Singh, Dr. A. Sarkar & Dr. K. Joshi

S. No	Name of the trainings/ conferences/ symposia/ workshops/ seminars	Venue	Duration and Date	Name of participating scientist
6.	State Level Executive Committee on National Livestock Mission of Odisha State	Bhubaneswar	2nd July, 2014	Dr. Anil Kumar
7.	Short Course on Management of cyclone disaster in agriculture sector in coastal areas	ICAR-DWM, Bhubaneswar	16th-22nd July, 2014	Dr. Sabita Mishra & Dr. Abha Singh
8.	NAAS-IFPRI Brainstorming meeting on	NASC Complex, New Delhi	12th August, 2014	Km. Gayatri Moharana
9.	Interface Workshop of KVKs	NASC Complex, New Delhi	19th-20th August, 2014	Dr. Charles Jeeva
10.	Seminar on "Status and scope of mechanization in horticulture"	ICAR-CHES, Bhubaneswar	2nd September, 2014	Km. Gayatri Moharana
11.	World Coconut Day	Coconut Development Board Bhubaneswar	2nd September, 2014	Dr. Charles Jeeva
12.	Stakeholders' workshop on 'Socio-economic assessment of coastal resource based livelihood activities for the coast of Odisha	KIIT, Bhubaneswar	24th September, 2014	Dr. Sabita Mishra

प्रशिक्षण/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ संगोष्ठी/ प्रदर्शनी में भागीदारी

क्र.सं.	प्रशिक्षण/ सम्मेलन/ संगोष्ठीयों/ कार्यशालाओं/ सेमिनारों का नाम	स्थान	अवधि और दिनांक	भाग लेने वाले वैज्ञानिक के नाम
1.	विज्ञान प्रसार के विशेषज्ञ समूह की बैठक	सी.आर.आर.आई, सी.आई.ए.ई., भोपाल (डीएसटी द्वारा आयोजित)	23 अप्रैल, 2014	डा. चार्ल्स जीवा
2.	सी.आर.आर.आई के 68 वें स्थापना दिवस पर प्रदर्शनी	भा.कृ.अनु.प- सी.आर.आर.आई, कटक	23 अप्रैल, 2014	डा. सबिता मिश्रा एवं श्रीमती तनुजा एस
3.	काम पर लोगो के मानवीय संबंधों और प्रदर्शन को बढ़ाने पर प्रशिक्षण	भा.कृ.अनु.प- कृ.म.अनु.नि., भुवनेश्वर (NAARM, हैदराबाद द्वारा आयोजित)	6-9 मई, 2014	भा.कृ.अनु.प- कृ.म.अनु.नि., भुवनेश्वर के सभी सदस्य

क.सं.	प्रशिक्षण/ सम्मेलन/ संगोष्ठीयों/ कार्यशालाओं/ सेमिनारों का नाम	स्थान	अवधि और दिनांक	भाग लेने वाले वैज्ञानिक के नाम
4.	जलवायु स्मार्ट बागवानी के लिए तकनीकी चुनौतियों और मानव संसाधनों पर वैश्विक सम्मेलन	एन.ए.यू., नवसरी, गुजरात	28-31 मई, 2014	डा. सबिता मिश्रा एवं डा. आभा सिंह
5.	दक्षिण एशिया में पोषण के लिए इस्तेमाल कृषि पर कार्यशाला (LANSA)	भा.कृ.अनु.प-कृ.म.अनु.नि., भुवनेश्वर (एम.एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन द्वारा आयोजित)	23 जून, 2014	डा. एच.के. दाश, डा. आभा सिंह, डा. ए. सरकार एवं डा. कुशाग्र जोशी
6.	ओडिशा राज्य के राष्ट्रीय पशुधन मिशन पर राज्य स्तरीय कार्यकारी समिति	भुवनेश्वर	2 जुलाई, 2014	डा. अनिल कुमार
7.	तटीय क्षेत्रों में कृषि में चक्रवात आपदा के प्रबंधन पर लघु कोर्स	कृ.म.अनु.नि.-डी.डब्ल्यू.एम., भुवनेश्वर	16 - 22 जुलाई, 2014	डा. सबिता मिश्रा एवं डा. आभा सिंह
8.	कृषि विज्ञान केन्द्र इंटरफेस कार्यशाला	NASC परिसर, नई दिल्ली	19-20 अगस्त, 2014	डा. चार्ल्स जीवा
9.	NAAS-IFPRI विचार मंथन बैठक	NASC परिसर, नई दिल्ली	12 अगस्त, 2014	कु. गायत्री मोहराणा
10.	बागवानी में मशीनीकरण की स्थिति और गुंजाइश पर संगोष्ठी	ICAR-CHES, भुवनेश्वर	2 सितम्बर, 2014	कु. गायत्री मोहराणा
11.	विश्व नारियल दिवस भुवनेश्वर	नारियल विकाश बोर्ड,	2 सितम्बर, 2014	डा. चार्ल्स जीवा
12.	ओडिशा के तटीय संसाधन आधारित आजीविका गतिविधियों के सामाजिक-आर्थिक ऑकलन पर हितधारकों भी कार्यशाला	KIIT, भुवनेश्वर	24 सितम्बर, 2014	डा. सबिता मिश्रा

PROGRAMME ATTENDED BY THE DIRECTOR, ICAR-DRWA

S. No	Name of the programme	Venue	Duration and Date
1	MSSRF- LANSA Agriculture & Nutrition Stakeholders' Consultation	NASC Complex, New Delhi	9th April, 2014
2	Interactive Conference of the Vice Chancellors and Directors	NASC Complex, New Delhi	28th April, 2014
3	QRT meeting of ICAR-DRWA and AICRP on Home Science	CSKHPKVV, Palampur and PAU, Ludhiana.	14th-17th May, 2014
4	Foundation Day Lecture	NASC Complex, New Delhi	5th June, 2014
5	Workshop on 'Impact of capacity building programs under NAIP' organized by IFPRI	NASC Complex, New Delhi	6th-7th June, 2014
6	QRT meeting of ICAR-DRWA and AICRP on Home Science	AAU, Jorhat	12th-14th June, 2014
7	XXII ICAR Regional Committee Meeting of Zone-II	ICAR-Central Inland Fisheries Research Institute, Kolkata.	27th-28th June, 2014
8	Expert Panel Meeting for NASI-ICAR Award for Innovation and Research on Farm Implements-2013	NASC Complex, New Delhi	5th July, 2014
9	XII Plan EFC Meeting	Krishi Bhawan, New Delhi	7th July, 2014
10	10th National Project Steering Committee Meeting of the UNEP-GEF/TFT project	Bangalore	12th July, 2014
11	86th Foundation Day and Award Ceremony of ICAR	NASC Complex, New Delhi	29th July, 2014
12	Director's Conference	NASC Complex, New Delhi	30th July, 2014
13	Consultation on "Role of Family Farming in the 21st Century: Achieving the Zero Hunger Challenges by 2025".	MSSRF, Chennai	7th-10th August, 2014
14	Interface Workshop of KVKs on TSP	NASC Complex , New Delhi	19th August, 2014
15	Meeting of Extension Education Council	Rajendra Agricultural University, Pusa, Samastipur	25th August, 2014
16	Meeting of ICAR Sectoral Committee of Accreditation Board on Accreditation Norms and New Institutions and Programms	New Delhi	9th September, 2014

निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-कृ.म.अनु.नि की विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी

क.सं.	कार्यक्रम का नाम	स्थान	अवधि और दिनांक
1.	MSSRF-LANSA कृषि एवं पोषण पर हितधारकों का परामर्श	NASC परिसर, नई दिल्ली	9 अप्रैल, 2014
2.	कुलपतियों और निदेशकों को इंटरएक्टिव सम्मेलन	NASC परिसर, नई दिल्ली	28 अप्रैल, 2014
3.	भा.कृ.अनु.प - कृ.म.अनु.नि.,एवं गृह विज्ञान पर अ.भा.स.अनु.प की QRT बैठक	CSKHPKVV, पालमपुर एवं PAU, लुधियाना	14-17 मई, 2014
4.	कृषि विज्ञान स्थापना दिवस व्याख्यान	NASC, परिसर, नई दिल्ली	5 जून, 2014
5.	IFPRI द्वारा आयोजित एनएआईपी के तहत क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के प्रभाव पर कार्यशाला	NASC परिसर, नई दिल्ली	6-7 जून, 2014
6.	भा.कृ.अनु.प-कृ.म.अनु.नि.,एवं गृह विज्ञान पर अ.भा.स.अनु.प की QRT बैठक	AAU, जोरहट, आसाम	12-14 जून, 2014
7.	जोन-द्वितीय के XXII आईसीएआर क्षेत्रीय समिति की बैठक	भा.कृ.अनु.प- केन्द्रीय अन्तेदर्शीय मछली अनुसंधान संस्थान, कोलकाता	27-28 जून, 2014
8.	खेत पर नवाचार और अनुसंधान के इम्प्लीमेन्ट्स लिए NASI-ICAR पुरस्कार के लिए विशेषज्ञ पैनल की बैठक 2013	नई दिल्ली	5 जुलाई, 2014
9.	बारहवीं योजना व्यय वित्त समिति की बैठक	नई दिल्ली	7 जुलाई, 2014
10.	UNEP-GEF/TFT परियोजना की 10 वीं राष्ट्रीय परियोजना संचालन समिति की बैठक	बैंगलौर	12 जुलाई, 2014
11.	86 वें स्थापना दिवस और सम्मान समारोह, 2014	NASC परिसर, नई दिल्ली	29 जुलाई, 2014
12.	निदेशक का सम्मेलन	नई दिल्ली	30 जुलाई, 2014

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	स्थान	अवधि और दिनांक
13.	21 वीं सदी में परिवार खेती की भूमिका : 2025 तक शून्य भूख हासिल करने की चुनौतियों पर परामर्श	MSSRF, चेन्नई	7-10 अगस्त, 2014
14.	TSP पर केवीके इंटरफेस कार्यशाला	NASC परिसर,नई दिल्ली	19 अगस्त, 2014
15.	विस्तार शिक्षा परिषद की बैठक	राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर	25 अगस्त, 2014
16.	प्रत्यायन मानदंड और नए नई दिल्ली संस्थानों और कार्यक्रमों पर प्रत्यायन बोर्ड की आईसीएआर क्षेत्रीय समिति की बैठक	नई दिल्ली	9 सितम्बर, 2014

RETIREMENT

Dr. Suman Agarwal, Principal Scientist, Home Science retired from service upon superannuation on July 31st, 2014. She was associated in AICRP Home Science and worked in the area of Empowerment of farm women.

सेवा निवृत्ति

डा. सुमन अग्रवाल, प्रधान वैज्ञानिक (गृह विज्ञान) 31 जुलाई, 2014 को सेवा निवृत्ति हुईं। वह गृह विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना से जुड़ी थी एवं कृषिरत महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए भी कार्यरत थीं।

PROMOTION

Dr. A. K. Shukla Principal Scientist, Horticulture promoted to Head , Regional Centre, Pali under ICAR-CAZRI, Jodhpur and relieved on June 4th, 2014.

पदोन्नति

डा. ए.के.शुक्ला, प्रधान वैज्ञानिक (उद्यान) की पदोन्नति प्रमुख के रूप में भा.कृ.अनु.प-केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केन्द्र, पाली, जोधपुर में हुई और 4 जून, 2014 को कार्यभारमुक्त हुए।

Editors : Dr. (Smt.) Abha Singh
: Smt. Tanuja. S
: Dr. Kushagra Joshi

Published by : Dr. Neelam Grewal, Director
ICAR- Directorate of Research on Women in Agriculture
Baramunda, Bhubaneswar -751 003, Odisha, Phone- 0674-2386241
Fax- 0674-2386242

Email : nrcwa@nic.in

Website : http://www.drwa.org.in

सम्पादक : डा. (श्रीमती) आभा सिंह
: श्रीमती तनुजा. एस
: डा. कुशाग्रा जोशी

प्रकाशन : डा. नीलम ग्रेवाल, निदेशक
भा.कृ.अनु.प.-कृषिरत महिला अनुसंधान निदेशालय,
डाकघर-बरमुण्डा, भुवनेश्वर - ७५१ ००३, ओडिशा
दूरभाष : ०६७४-२३८६२४१,
फैक्स : ०६७४-२३८६२४२

ई-मेल : nrcwa@nic.in

वेबसाइट : http://www.drwa.org.in